हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, गुरुवार 19 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 19.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

निकाय चुनावों को हल्के में नहीं लेगी कांग्रेस... 12

वैकेंसी की फाइल को स्वीकृति का इंतजार, मार्च में ओपीडी शुरू होने की संभावना कम 12

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 15 फरवरी को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुर्जरवाड़ा निवासी मोहित, नई आबादी निवासी पवन, सुभाष बस्ती निवासी खड़कसिंह व खड्डा बस्ती निवासी मयंक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में चारों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। जैसलमेर नेशनल हाइवे पर हुए सड़क हादसे के बाद पुलिस ने गत वर्ष 2 दिसंबर को केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच करते हुए वाहन चालक राजस्थान के नंगली बलाई निवासी गिरराज को गिरफ्तार कर लिया। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

चोरी के मामले में दो आरोपी भेजे जेल

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने चोरी के मामलों में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस ने गत वर्ष 19 जून को चोरी की वारदात के बाद दर्ज मामले में नूंह जिले के सौंध गांव निवासी मकसूद को गिरफ्तार किया था। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने ही गत वर्ष 4 अगस्त को दर्ज किए गए चोरी के मामले में नूंह के सौंध निवासी साबिर को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पोक्सो एक्ट का आरोपी किया गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने नाबालिग के यौन शोषण के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष की शिकायत के आधार पर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दिनेश के खिलाफ गत 17 फरवरी को पोक्सा एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। नाबालिग का जीएच से मेडिकल कराया गया था। आरोपी केस दर्ज होने के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को तंग करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2024 में पुलिस को दर्ज शिकायत में एक गांव निवासी विवाहिता ने पति व ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज की मांग पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत से सुलहनामा नहीं होने के बाद गत वर्ष 7 दिसंबर को केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने पलवल के सुमाचन निवासी अखिलेश को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया।

आज बाधित रहेगी कई फीडरों की बिजली

कोसली। बिजली सब डिवीजन के अंतर्गत मरम्मत कार्य के लिए 11 केवी भूरियावास डीएस फीडर तथा 11 केवी गुड़ियानी एपी फीडर वीरवार को बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त नए 11 केवी अहमदपुर एपी फीडर के कार्य भी होगा। इस दौरान 19 फरवरी को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक गुड़यिानी, भूरियावास तथा अहमदपुर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

आखिरकार 13 साल बाद बस स्टैंड का निर्माण शुरू, लोगों को मिलेगी राहत

- 20 एकड़ जमीन में बनने वाले बस स्टैंड के बिल्डिंग निर्माण पर 40 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वर्ष 2013 में तत्कालीन सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जिस सामान्य बस स्टैंड का शिलान्यास किया था, उसका निर्माणकार्य 13 साल बाद बुधवार को शुरू हो गया। 20 एकड़ जमीन में बनने वाले बस स्टैंड के बिल्डिंग निर्माण पर 40 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बस स्टैंड निर्माण के बाद सरकुलर रोड पर यातायात का दबाव काफी कम हो जाएगा, जिससे शहर के लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बस स्टैंड के निर्माणकार्य का शुभारंभ किया। सत्तर के दशक में बने बस स्टैंड का भवन लंबे समय से जर्जर हो चुका है। इस भवन के एक हिस्से को पहले तोड़ दिया गया था। शहर के बीच होने कारण बसों के आवागमन से सरकुलर रोड पर वाहनों का दबाव काफी ज्यादा रहता है, जिससे बस स्टैंड के आसपास जाम जैसे हालात बने रहते हैं। हुड्डा के शासनकाल में नए बस स्टैंड का शिलान्यास हुआ था। इसके साथ शिलान्यास किए गए अधिकतर बस स्टैंड बनकर काफी समय पहले ही तैयार हो चुके हैं, परंतु इस बस स्टैंड का निर्माण शुरू होने में वर्षों लग गए। भवन निर्माण के बाद बस स्टैंड शहर के बाहर शिफ्ट हो जाएगा, जिससे आमजन के साथ-साथ यात्रियों को भी काफी राहत मिल सकेगी। बस स्टैंड का निर्माण रामगढ़ रोड पर किया जा रहा है। फिलहाल रामगढ़ रोड पर बस की एंट्री और एग्जिट आउटर सरकुलर रोड पर ही रहेगी। नया बस स्टैंड बनने के बाद भी बसों का हाइवे पर आवागमन दिल्ली रोड से ही रहेगा। रामगढ़ रोड न केवल सीधा हाइवे से जुड़ा है, बल्कि इससे आवागम करने पर दूरी भी आधे से कम है।

रेवाड़ी। बस स्टैंड निर्माण कार्य के लिए पूजन करते हुए विधायक। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक होगा नया बस स्टैंड

विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि बस स्टैंड पूरी तरह से आधुनिक होगा। जिससे रेवाड़ी को नई पहचान मिलेगी। करीब 15 एकड़ में बस स्टैंड भवन का निर्माण होगा। पांच एकड़ में वर्कशॉप और चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। बस स्टैंड का भवन दो मंजिला होगा। 40 करोड़ बस स्टैंड निर्माण और 25 करोड़ दूसरे कार्यों पर खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि जुलाई 2025 में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसका शुभारंभ किया था। ठेकेदार और अधिकारियों निर्देश दे दिए गए हैं। देरी के सवाल पर विधायक ने कहा कि 2013 में जल्दबाजी में तत्कालीन सरकार ने शिलान्यास कर दिया, जिसके चलते कोर्ट केस इत्यादि के चलते निर्माण में देरी हुई।

कर्मचारियों की पार्किंग में खड़े हो रहे अन्य लोगों के वाहन

बस स्टैंड पर पिक एंड ड्राप पार्किंग बनी आफत मनमर्जी से पूरे दिन खड़े किए जा रहे वाहन

दुकानदार भी ले रहे बस स्टैंड की पार्किंग का फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सरकुलर रोड स्थित बस स्टैंड परिसर में इन दिनों पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ रही है। लोग मनमर्जी के अनुसार कही भी अपना व्हीकल खड़ा करके चले जाते है। यहां तक कि बस स्टैंड में कर्मचारियों के वाहन खड़े करने की जगह भी अन्य व्हीकलों से पूरी तरह भरी रहती है। परिसर में सिर्फ पुलिस चौकी के सामने वाली जगह पर वाहन खडे करने पर रोक है, जबकि चौकी के साथ वाली खाली जगह में भी काफी संख्या में टू-व्हीलर खड़े रहते है। अव्यवस्थित पार्किंग के कारण बस स्टैंड परिसर की व्यवस्था बिगड़ रही है, परिवहन विभाग की ओर से मार्च-2028 तक वाहनों की पार्किंग का ठेका दिया हुआ है, लेकिन कुछ लोगों ने बस स्टैंड की पिक एंड ड्राप पार्किंग पर ही पूरी तरह कब्जा कर लिया है, सुबह वाहन खड़ा कर दिया जाता है, जोकि दिनभर जगह घेरे खड़े रहते है, यहां तक कि लोगों के आवागमन के लिए बस स्टैंड के मुख्य रास्ते पर भी वाहन खड़े रहते है।

> परिवहन विभाग की ओर से मार्च-2028 तक वाहनों की पार्किंग का ठेका दिया हुआ है, लेकिन कुछ लोगों ने बस स्टैंड की पिक एंड ड्राप पार्किंग पर ही पूरी तरह कब्जा कर लिया

रेवाड़ी। बस स्टैंड की पिक एंड ड्राप पार्किंग में व्हीकलों की भरमार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पिक एंड ड्राप पार्किंग के आगे एंट्रेस गेट के रास्ते में खड़े वाहन। फोटो : हरिभूमि

रास्ता रुकने से कर्मी परेशान

बस स्टैंड स्थित पिक एंड ड्राप पार्किंग का सहारा सरकुलर रोड के दुकानदार भी ले रहे है। सूत्रों के अनुसार बस स्टैंड के सामने सरकुलर रोड पर स्थित दुकानों के कई दुकानदार व टैक्सी वाले इस पार्किंग में अपने चौपहियां वाहन खड़े करके जगह रोक रहे है। इस जगह पर सुबह से रात तक दुकानदारों के वाहन खड़े रहते है।

कर्मचारियों की संख्या से ज्यादा वाहन

बस स्टैंड परिसर में पुलिस के पास स्थित पार्किंग स्थल पर कर्मचारियों के व्हीकल खड़े किए जाते है, लेकिन कर्मचारियों के व्हीकलों के अलावा पार्किंग में अन्य व्हीकलों का जमावड़ा लगा रहता है। बस स्टैंड पर कार्यरत कर्मचारियों के चौपहियां वाहन सहित करीब 30-35 के करीब ही व्हीकल खड़े होते है। इसके अलावा पार्किंग में अन्य लोगों के व्हीकल खड़े कराए जा रहे है। यहां तक कि रोजाना अन्य जिलों में ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारी भी यही अपना व्हीकल खड़ा करके जा रहे है।

पार्किंग से हो रहा रास्ता बंद

बस स्टैंड के बीच वाले गेट से लोगों को आवागमन रहता है। इसी गेट की सीध में स्थित खाली जगह में बस स्टैंड में यात्रियों को छोड़ने आने वाले लोगों की ओर से अपने व्हीकल खड़े किए जाते है। इस जगह पर ज्यादा समय तक व्हीकल खड़ा करने की इजाजत नहीं है, जिसके लिए परिसर में बोर्ड भी लगाया हुआ है। जिस पर साफ लिखा हुआ है कि यहां अधिक देर तक वाहन खड़े न करें, जबकि इस जगह पर पूरे दिन वाहनों का जमावड़ा रहता है। यही नहीं लोग अपने वाहन अव्यवस्थित ढंग से खड़े करके चले जाते है, जिससे लोगों को निकलने में परेशानी उठानी पड़ती है।

पुलिस बल की मौजूदगी में खाली कराई पंचायती जमीन

रेवाड़ी। डालियाकी में कब्जे हटाती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

- जोहड़ की जमीन को पूरी तरह कब्जा मुक्त करा दिया गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पंचायत विभाग की ओर से डालियाकी गांव में पंचायती जमीन पर किए गए अवैध कब्जों को हटवाने की कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। गांव की पंचायती जमीन पर कुछ ग्रामीणों ने कब्जे किए हुए थे। इसमें ज्यादतर जमीन जोहड़ की थी, जिस पर ग्रामीणों ने कब्जा किया हुआ था। इसकी शिकायत जिला प्रशासन से लेकर सीएम तक को की गई थी। डीसी की ओर से पंचायती जमीन को कब्जा मुक्त कराने के आदेश दिए गए थे। प्रशासन के आदेश पर पंचायत विभाग के एसडीओ कमल सिंह के नेतृत्व में टीम जेसीबी मशीन और पुलिस बल के साथ गांव पहुंची। टीम ने पंचायती जमीन पर किए गए कब्जों को जेसीबी मशीन से खाली करा दिया। पुलिस टीम मौके पर मौजूद होने के कारण कब्जा करने वाले लोगों ने शुरू में विरोध किया, परंतु बाद में पुलिस की सख्ती को देखते हुए कब्जाधारी पीछे हट गए। दो दिन तक चली यह कार्रवाई बुधवार को खत्म हो गई। जोहड़ की जमीन को पूरी तरह कब्जा मुक्त करा दिया गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पहले दिन कार्रवाई का हल्का विरोध हुआ था, परंतु बाद में मामला शांत हो गया।

बाइक चोरी के मामलों में दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

- दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। इन मामलों में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 19 जून को शक्ति नगर निवासी सत्यनारायण ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने अपनी बाइक को रेजांगला पार्क के बाहर खड़ी किया था। जिसे कोई नाम पता नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गए है। जिस पर पुलिस ने थाना माडल टाउन में चोरी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी जिला नूंह के गांव सौन्ध निवासी सलीम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी जिला नूंह के गांव सौन्ध निवासी मकसूद को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बाइक चोरी करने के दूसरे मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष 4 अगस्त को गांव झाबुआ निवासी राजेश ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने अपनी बाइक कोर्ट परिसर के बाहर खड़ी की थी। बाइक अनजान व्यक्ति चोरी कर ले गए। पुलिस ने इस मामले में जिला नूंह के गांव सौन्ध निवासी साबिर को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

रेवाड़ी। बाइक चोरी के आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो : हरिभूमि

जेईई मेन में सफल परीक्षर्थियों को किया गया सम्मानित

रेवाड़ी। परीक्षा के सफल परीक्षार्थी स्टाफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन 2026 के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। शहर की एक इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है, जो सराहनीय है। परीक्षा में सफल रहने वाले परीक्षार्थियों में खनिका सैनी ने 99.83 परसेंटाइल, पार्थ ने 99.29 परसेंटाइल और वंशिका यादव ने 98.62 परसेंटाइल लेकर सफलता प्राप्त की। 9 विद्यार्थियों ने 95 परसेंटाइल से ज्यादा और 12 विद्यार्थियों ने 90 परसेंटाइल से ज्यादा अंक लेकर सफलता प्राप्त की। इन सभी छात्रों को संस्थान प्रबंधन समिति की तरफ से सम्मानित किया गया। इन सभी छात्रों ने इस परीक्षा को क्वालीफाई कर अपने इंस्टीट्यूट और अपने माता पिता का मान बढ़ाया है। छात्रों की सफलता पर इंस्टीट्यूट व परिजनों में खुशी का माहौल है।

मौसम आज भी मौसम परिवर्तनशील बना रहने की संभावना, कल से आसमान साफ होकर बढ़ सकता है तापमान

फसलों को मिली तीन एमएम की 'डोज', पारा 9.5 डिग्री गिरने से ठंड की वापसी, ओलावृष्टि का खतरा बरकरार

दोपहर तक ठंडी हवाओं ने लोगों को घरों में दुबके रहने पर मजबूर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में इंद्रदेवता किसानों पर मेहरबान हो गए। औसत 3 एमएम बारिश ने फसलों के लिए अच्छी डोज का कार्य किया है। फसलों पर बारिश के बाद रौनक छा गई है। बारिश के कारण पारा 9 डिग्री से ज्यादा गिरने से ठंड ने वापसी की है। वीरवार को भी मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद आसमान साफ होने और तापमान में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। बुधवार तड़के करीब 5 बजे से ही आसमान में बादलों के बीच हल्की बारिश शुरू हो गई। शाम तक रुक-रुककर फुहारें गिरने लगी। हालांकि तेज बारिश नहीं हुई, लेकिन तापमान गिरते ही ठंड ने एक बार फिर वापसी कर ली। अधिकतम तापमान 9.5 डिग्री की गिरावट के साथ 19.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रात का तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 14.0 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। गत 2 फरवरी के बाद दिन का तापमान इस स्तर पर आया है। लगभग 12 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलती रहीं। दिन और रात के तापमान में 5.0 डिग्री सेल्सियस का अंतर होने के कारण ठंड ने एक बार फिर से वापसी कर ली। दोपहर तक ठंडी हवाओं ने लोगों को घर में दुबके रहने पर मजबूर कर दिया। कड़ाके की ठंड ने फिर से दस्तक दे दी। इसे विदाई से पहले की ठंड माना जा रहा है, जिसका असर ज्यादा दिन तक रहने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के अनुसार 19 फरवरी को भी मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इसके बाद आसमान साफ होने की उम्मीद है, जिससे तापमान में वृद्धि गर्मी की शुरूआत का काम करेगी। बादलों के बीच ओलावृष्टि से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

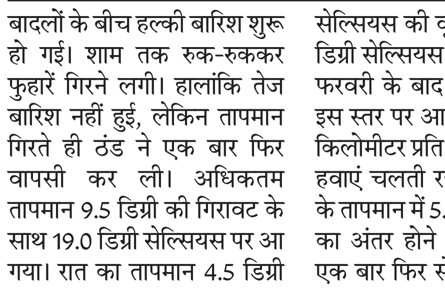
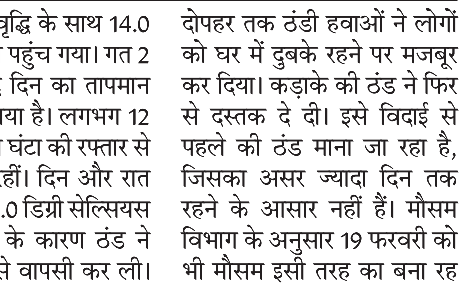
रेवाड़ी। बारिश के बाद गेहूं की फसल में छाई रौनक, हल्की बारिश के बाद अनाजमंडी के पास सड़क पर एकत्रित पानी।

किसानों को मिली सिंचाई से राहत

मौसम का मिजाज गर्म होने से किसानों को सरसों की पछेती फसल के साथ-साथ गेहूं की सिंचाई भी करनी पड़ रही थी। तापमान बढ़ने से गेहूं की फसल के रोगों की चपेट में आने का खतरा पैदा हो गया था। दीमक गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा सकती थी। बारिश होने व तापमान से गिरावट ने दोनों फसलों को अच्छा फायदा पहुंचाया है। आसमान में बादलों के बीच ओलावृष्टि की चिंता किसानों को जरूर सता रही है।

शहर के लोगों को हुई परेशानी

हल्की बारिश के बाद शहर में कई स्थानों पर जलभराव हो गया। सड़कों के गड्ढों में पानी एकत्रित होने व कीचड़ बनने से लोगों का सड़कों से गुजरना भी मुश्किल बना रहा। सफाई व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण कई इलाकों में कूड़े के ढेर बारिश के बाद दुर्गंध छोड़ते रहे। शहर की कई गलियों में कीचड़ बन गया, जिससे लोगों को वहां से निकलना भी मुश्किल बना रहा। अगर ज्यादा बारिश होती है, तो इससे हालात बद से बदतर हो सकते हैं।

नाबालिग को बनाया हवस का शिकार, केस दर्ज करते ही आरोपी गिरफ्तार

कोसली। थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने ही गांव की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के मामले में केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। गत 17 फरवरी को क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया था कि सोमवार शाम करीब 4:30 बजे उसकी नाबालिग बेटी और छोटा बेटा गांव की एक दुकान पर जा रहे थे। रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसकी नाबालिग लड़की का हाथ पकड़कर उसे जबरन अपने घर में खींच लिया। जब उनके छोटे बेटे ने घर पर जाकर जानकारी दी, तो तलाश करने पर लड़की एक दुकानदार के प्लॉट के पीछे मिली। उसने बताया कि आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस ने आरोपी की खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आप किसी भी उम्र के हों, अगर आपके जोड़ों में दर्द, सूजन रहती है तो आपको जांच कराने में देर नहीं करनी चाहिए। ऐसा रूमेटॉइड आर्थराइटिस के कारण हो सकता है। सही समय पर टेस्ट और ट्रीटमेंट के जरिए इससे राहत मिल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस समय पर डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट है जरूरी

डिजीज
डॉ. अभिक बनर्जी
जोनल टेक्निकल चीफ
अपोलो डायग्नोस्टिक्स, कोलकाता

कई आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि बहुत से लोग रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) जैसी गंभीर बीमारी के साथ चुपचाप जीवन जी रहे हैं। लगभग 50 प्रतिशत मरीज समय पर डॉक्टर के पास नहीं जाते। वे शुरुआती लक्षणों को अकसर तनाव, थकान या हल्का जोड़ों का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। यह समस्या अब युवाओं में भी देखी जा रही है, जिससे आगे चलकर जोड़ों को गंभीर नुकसान और विकलांगता हो सकती है।

कैसे होती है समस्या: रूमेटॉइड आर्थराइटिस, एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे जोड़ों में लगातार सूजन बनी रहती है और धीरे-धीरे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है।

इस बीमारी के होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे परिवार में बीमारी का इतिहास, हार्मोन में बदलाव, धूम्रपान, ज्यादा तनाव और कुछ संक्रमण। आमतौर पर लोग सोचते हैं कि गठिया सिर्फ बढ़ती उम्र में होता है, लेकिन रूमेटॉइड आर्थराइटिस 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को भी हो सकता है।

रोग के लक्षण: इस रोग के कॉमन लक्षण हैं जोड़ों में दर्द, सूजन, सुबह के समय जोड़ों में जकड़न, जल्दी थक जाना और कमजोरी महसूस होना। अगर समय पर जांच और इलाज न किया जाए, तो यह बीमारी जोड़ों की बनावट बिगाड़ सकती है। इसके अलावा यह फेफड़ों, दिल और आंखों जैसे शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इससे चलने-फिरने में परेशानी होती है, रोजमर्रा के काम करना मुश्किल हो जाता है, काम करने की क्षमता घटती है और जीवन की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि शुरुआती लक्षण बहुत हल्के होते हैं, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। 20-30 साल के युवा और कामकाजी लोगों में रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मामलों में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

न करें इग्नोर: इस रोग से ग्रसित करीब 50 प्रतिशत लोग जोड़ों की जकड़न, दर्द या सूजन जैसे शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं और तब डॉक्टर के पास जाते हैं, जब बीमारी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगती है। हर 10 में से लगभग 5 मरीज ऐसे होते हैं, जो बहुत देर से जांच के लिए आते हैं, जब तक जोड़ों को नुकसान शुरू हो चुका होता है। यह देरी आगे चलकर स्थायी जोड़ों की खराबी और लंबे समय की विकलांगता का कारण बन सकती है।

बहुत से मरीज इसलिए चुपचाप दर्द सहते रहते हैं क्योंकि उन्हें रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षण समझ में ही नहीं आते या वे डॉक्टर के पास जाने में देर कर देते हैं। खासकर युवा लोग यह मान लेते हैं कि जोड़ों का दर्द ज्यादा काम, तनाव या व्यायाम की कमी की वजह से है। लेकिन ऐसा सोचने से बीमारी बढ़ती जाती है और जोड़ों को ऐसा नुकसान हो जाता है, जिसे समय पर जांच और उपचार से रोका जा सकता था। रूमेटॉइड आर्थराइटिस को कंट्रोल करने के लिए जल्दी जांच कराना सबसे जरूरी है।

जांच के तरीके: आरए की जांच के लिए कुछ अहम जांचें की जाती हैं, जैसे रूमेटॉइड फैक्टर (आरएफ) और एंटी सीसीपी एंटीबॉडी टेस्ट, जो यह बताते हैं कि बीमारी ऑटोइम्यून है या नहीं। ईएसआर और सीआरपी जांच से शरीर में सूजन का स्तर पता चलता है। ब्लड की सामान्य जांच से शरीर की दूसरी समस्याओं का पता लगाया जाता है। इसके अलावा एक्सरे, अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन से जोड़ों में सूजन और शुरुआती नुकसान का पता चल जाता है। अगर समय पर जांच हो जाए, तो बीमारी को धीमा करने वाली दवाएं शुरू की जा सकती हैं। इससे दर्द कम होता है, बीमारी आगे नहीं बढ़ती और जोड़ों की काम करने की क्षमता बनी रहती है। नियमित जांच और स्कैन से इलाज को समय-समय पर बदला जा सकता है और बीमारी के दोबारा बढ़ने से बचा जा सकता है।

ट्रीटमेंट: इसके इलाज में ऐसी दवाएं दी जाती हैं, जो बीमारी को बढ़ने से रोकती हैं। इसके साथ फिजियोथेरेपी भी बहुत जरूरी होती है, जिससे जोड़ों की ताकत बनी रहती है। रोजाना हल्का व्यायाम, संतुलित आहार, तनाव को कम करना और धूम्रपान छोड़ना भी इलाज का अहम हिस्सा है। नियमित रूप से डॉक्टर से फॉलोअप कराने से बीमारी पर नजर रखी जा सकती है और जरूरत पड़ने पर इलाज बदला जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. वैभव चतुर्वेदी
मनोचिकित्सक-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, इंदौर

वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार खुद की जान को खत्म कर देने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार इन तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर विचारणीय मुद्दा है। ऐसा इसलिए क्योंकि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं, जितनी लोग स्वयं गवां देते हैं। साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार, 'इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की तरफ बढ़ रहे लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।'

एक प्रमुख कारण है डिप्रेशन

अवसाद (डिप्रेशन), आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण आत्महत्या करते हैं, ऐसा मर्हर्ष यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन का आकलन है।

तनाव का हावी होना

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों के दुष्प्रभाव: कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है।

विफलता या भावनात्मक झटका: किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त न कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति का खराब होना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- अकेलापन पसंद करना, यह सोचना कि दुनिया में मेरा कोई नहीं है।
- किसी भी प्रकार के मेल-मिलाप से कतराना।
- दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें करना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- किसी कारण के बगैर खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। जैसे लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- किसी की बात न सुनना-खुद में गुमसुम रहना।
- स्वभाव में अप्रत्याशित परिवर्तन जैसे जो व्यक्ति खुशमिजाज रहता हो, वह उदास रहने लगता है।
- ऐसे लोगों का मूड अकसर उदास रहता है।
- भूख कम लगना या समय पर खाना न खाना।
- नींद पूरी न ले पाना।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और वे अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

देश-दुनिया में आए दिन सुसाइड यानी आत्महत्याओं के मामले सामने आते रहते हैं। वैसे तो सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जाती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से युवा वर्ग, खासकर स्टूडेंट्स में भी आत्महत्या के मामलों में इजाफा हुआ है, जो एक चिंताजनक और विचारणीय मुद्दा है। कुछ सुझावों पर अमल कर आत्मघाती प्रवृत्ति से बचाव किया जा सकता है।

सुसाइड के लगातार बढ़ते मामले सपोर्ट-ट्रीटमेंट से संभव है बचाव

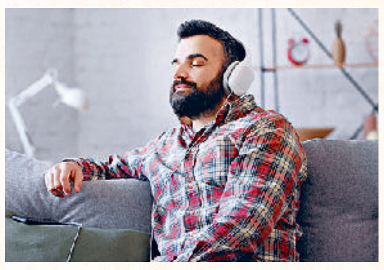

दूसरों की मदद लें

अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65 प्रतिशत से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में मनोचिकित्सक काउंसलिंग का सहारा लेते हैं। इससे मन की नकारात्मकता दूर होती है।

बचाव के उपाय

- योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।
- विश्व प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल 'दि लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते (सोशल इंटरएक्शन) रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।
- पीड़ित व्यक्ति को अकेला न छोड़ें।
- ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्ति में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास अपवाद स्वरूप ही करता है।
- कोई हॉबी विकसित करें। अगर आपकी संगीत में रुचि है तो इसके लिए कुछ समय निकालें।

इलाज के तरीके

अवसाद से प्रभावित ऐसे लोग, जो सुसाइडल सोच की ओर बढ़ रहे हैं, उन्हें इन उपचारों से ठीक कर सकते हैं।

साइकोथेरेपी: इसमें मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

इलेक्ट्रो कंवल्सिव थेरेपी (ईसीटी): इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार यह थेरेपी डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैबलेट्स: मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार रोगी को एंटीडिप्रेसेंट दवाई लेनी चाहिए। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बच्चों-किशोरों पर पैरेंट्स दें ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार अपने करियर को बनाने के चक्कर में पढ़ाई का दबाव और उस पर भी पैरेंट्स की अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें सजोना, किशोर और युवा वर्ग को तनावग्रस्त बनाता है। अगर उन्हें उनके मुताबिक नौकरी नहीं मिल पाती तो यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इसलिए पैरेंट्स को अपने बच्चों, खासकर किशोरों और युवाओं पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके बच्चों के स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे हैं। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास जरूर ले जाएं।

हेल्थ सजेशन
रजनी अरोड़ा

अगर आप अपनी डेली लाइफ में कुछ बैड हैबिट्स से दूर रहें तो एजिंग प्रोसेस धीमी होगी। यानी लंबे समय तक आप यंग- एनर्जेटिक बने रहेंगे। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस।

अपनाएं ये अच्छी आदतें लंबे समय तक रहेंगे यंग

आज के दौर में मिड एज के ज्यादातर लोग अकसर लो फील करते हैं। दरअसल, जाने-अनजाने वे ऐसी कई आदतें डाल लेते हैं, जो उन्हें ओवरवेटेड, थका हुआ और लो एनर्जी वाला बना देती हैं। जिनकी वजह से अनचाहे ही बुढ़ापे का असर उन पर समय से पहले नजर आने लगता है।

अनहेल्दी डाइट हैबिट: बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति के शरीर का डायजेस्टिव सिस्टम कमजोर और शारीरिक गतिविधियां कम होने लगती हैं। इसकी वजह से हेल्दी रहने के लिए खान-पान में बदलाव लाना जरूरी हो जाता है। यानी युवावस्था में जहां देर-सवेर या जरूरत से ज्यादा खाना और अनहेल्दी या ऑयली फूड भी शरीर पचा लेता है। वहीं 40-45 साल की एज के बाद अकसर इसे नजरअंदाज किया जाता है, जो कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

ऐसे में स्ट्रिक्ट डाइटिंग और खान-पान की आदतों में बदलाव लाना इसका सॉल्यूशन है। खाना बंद करने या भूखा रहने के बजाय संतुलित मात्रा में खाना जरूरी है। यानी अपनी डाइट में पोर्शन साइज थोड़ा-सा छोटा करें। हमेशा एक रोटी की भूख छोड़कर खाना खाएं। ओवर ईटिंग न करें। यथासंभव प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से परहेज करें। प्रोटीन, कैल्शियम रिच डाइट ज्यादा से ज्यादा लें। लिक्विड कैलोरीज (मीठी चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बियर या फ्रूट जूसेस) बिल्कुल बंद कर दें क्योंकि ये ब्लड में पहुंच कर शरीर में तेजी से अवशोषित हो जाते हैं और सेहत के लिए नुकसानदायक होते हैं।

भरपूर नींद न लेना: बढ़ती उम्र में देर रात तक जागना, पूरी नींद न सोने से अगला दिन बेकार ही नहीं हो जाता, सेहत को भी नुकसान पहुंचता है। बॉडी की एनर्जी लो हो जाती है, चिड़चिड़ापन या मूड स्विंग होते हैं, चाहकर भी काम पर फोकस नहीं कर पाते। रात में 6-7 घंटे की नींद न लेने पर बॉडी में फैट एक्यूमुलेशन दोगुना तेजी से बढ़ने लगता है। व्यक्ति अनचाहे ही मोटापे और उससे उपजी बीमारियों की गिरफ्त में आ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि नींद को लेकर सजग रहें। अच्छी नींद के लिए सोते समय बेडरूम में एकदम अंधेरा करके सोएं। इससे मेलाटोनिन का रिसाव जल्दी होता है और व्यक्ति ज्यादा अच्छे से सो पाता है। टाइम पर बेड पर जाएं। कमरे को थोड़ा ठंडा रखें और सोने से कम-से-कम एक घंटा पहले स्क्रीन (चाहे वो टीवी हो या मोबाइल) बिल्कुल बंद कर दें।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करना: आज की युवा पीढ़ी फिटनेस-प्रेमी या जिम-फ्रीक है। ज्यादातर फिट रहने या बॉडी बिल्डिंग के लिए रेग्युलर जिम भी जाते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो, वेट बियरिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। जबकि बढ़ती उम्र के व्यक्ति वॉक करने या कार्डियो एक्सरसाइज तक ही सिमट जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे उपयुक्त नहीं मानते क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न करने पर शरीर में धीरे-धीरे मसल्स लॉस होना शुरू हो जाता है जिसका व्यक्ति को जल्द पता नहीं चल पाता। मसल्स दरअसल, व्यक्ति को केवल अच्छा फिगर या अच्छा लुक ही प्रदान नहीं करते, शरीर के सुरक्षा-कवच का भी काम करते हैं। जॉइंट्स को सपोर्ट देते हैं, मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करते हैं और हार्मोन निर्माण में भी मदद करते हैं। रिसर्च से साबित हो गया है कि 40 साल की उम्र के बाद अगर व्यक्ति स्ट्रेंथ ट्रेनिंग नहीं करते तो हर साल उनका लगभग 1 प्रतिशत मसल्स लॉस होता है।

इससे बचने के लिए जरूरी है मिड एज के बाद भी रेग्युलर जिम जाएं और इंस्ट्रक्टर की निगरानी में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। जिम न जा पाने की स्थिति में हफ्ते में तीन-चार दिन बेसिक बॉडी वेट स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जरूर करें जैसे-स्क्वेट्स, पुश-अप्स, पुल अप्स, रेजिस्टेंस बैंड्स। घर में मौजूद डंबल्स या वॉटर बोतल की मदद से भी आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

हार्मोनल असंतुलन को इग्नोर करना: मिड एज के बाद अकसर कई तरह की शारीरिक-मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जिन्हें वे बढ़ती उम्र का असर मान लेते हैं। जैसे- वजन बढ़ना, हर वक्त थकान, काम में मन न लगना, अनियमित माहवारी, प्री-मेनोपॉज होना, सेक्स ड्राइव कम होना। मेडिकल साइंस इनके पीछे की वजह शरीर में मौजूद हार्मोनल असंतुलन को मानता है। हार्मोन असंतुलन होने पर शरीर का पूरा सिस्टम स्लो होने लगता है और कम उम्र में ही व्यक्ति पर असर दिखाई देने लगता है। जरूरी है उम्र से पहले आने वाले बदलावों पर गौर करें और हार्मोन असंतुलन को नजरअंदाज न करें। समय-समय पर हार्मोन लेवल चेक करवाएं। मेडिकल ट्रीटमेंट के अलावा लाइफस्टाइल में बदलाव करने पर हार्मोन-असंतुलन को काफी हद तक इंप्रूव किया जा सकता है।

विल पॉवर न रखना: मिड एज में व्यक्ति की जिंदगी में अकसर ठहराव-सा आ जाता है। व्यक्ति डिसिप्लिन और सिस्टेमेटिक लाइफस्टाइल से दूर होता जाता है। उन्हें किसी के मोटिवेशन का इंतजार ज्यादा रहता है। जिंदगी में स्वस्थ और सफल होने के लिए मोटिवेशन के बजाय डिसिप्लिन और सिस्टम्स बनाना जरूरी है। ऐसे सिस्टम्स बनाने की जरूरत है, जो व्यक्ति को स्वतः ही सही दिशा की तरफ जाने में मदद करें। जरूरी है कि रुटीन, सिस्टम और स्ट्रक्चर तय करें और उसके हिसाब से नियम बनाएं। *

अवेयरनेस
रेखा देशराज

यह सही है कि जड़ी-बूटियों का रिएक्शन तुलनात्मक रूप से कम होता है। लेकिन ये नुकसान करते ही नहीं, यह सोच गलत है। ऐसे में किसी भी जड़ी-बूटी का सेवन करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

सावधानी के साथ ही करें जड़ी-बूटियों का सेवन

हाल के सालों में प्राकृतिक दवाओं यानी जड़ी-बूटियों को लेकर आम लोगों में विश्वास बहुत ज्यादा बढ़ा है। लेकिन इस बढ़ते भरोसे के बीच सावधानी बरतना भी जरूरी है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जड़ी-बूटियों और विभिन्न तरह के हर्बल उत्पादों का जो अंधाधुंध उपयोग शुरू हुआ है, उससे फायदे की जगह कई तरह के नुकसान भी सामने उभरकर आए हैं। दरअसल आम लोग जड़ी-बूटियों को हर हालत में सुरक्षित समझते हैं। इसलिए वो कई बार इनके जानकारों से भी यह राय लेना जरूरी नहीं समझते कि कौन-सी जड़ी-बूटी खानी चाहिए, कब खानी चाहिए और कैसे खानी चाहिए? ऐसे में ऐसी जड़ी-बूटियां जो आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, कई बार उनसे भी नुकसान होते हुए देखने को मिलता है।

बिना सलाह के न करें सेवन: पहली बात तो यह गांठ बांध लें कि चाहे कोई भी चीज क्यों न हो, बिना उसके जानकार की राय लिए कभी नहीं खानी चाहिए। आजकल व्हाट्सएप, यू-ट्यूब और सोशल मीडिया में सभी विशेषज्ञ बनकर जो जानकारी देते रहते हैं, उससे भी इस तरह के नुकसान की आशंका बहुत बढ़ जाती है। यह समझना भी जरूरी है कि जिन जड़ी-बूटियों को हम केवल फायदे देने वाली समझते हैं, आखिर उनसे नुकसान कैसे हो जाता है? दरअसल, जड़ी-बूटियां पौधों से प्राप्त होती हैं, इसलिए इन्हें रासायनिक दवाओं की तुलना में ज्यादा कोमल माना जाता है। मगर हर कोमल चीज के डोज की भी एक लिमिट होती है। कई बार लोग जड़ी-बूटियों को नुकसान न पहुंचाने वाली समझकर इसके ओवर डोज का शिकार हो जाते हैं यानी इनकी सुरक्षित सीमा से ज्यादा का इस्तेमाल कर लेते हैं। इससे उल्टी, दस्त, सिरदर्द और चक्कर तो आते ही हैं, कई बार लीवर या किडनी भी फेल हो सकती है। इसलिए कभी-भी कोई जड़ी-बूटी तय डोज से ज्यादा न लें।

कई तरह की हो सकती हैं परेशानियां: सवाल है जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हुए किस-किस तरह की सावधानियां बरती जानी चाहिए, जिससे हम इनके नुकसान के जोखिम से बचे रहें? हो सकता है कि किसी विशेष जड़ी-बूटी से किसी व्यक्ति पर कोई प्रभाव न पड़ता हो और किसी को उससे एलर्जी हो जाए। ऐसे में जिसको एलर्जी होती है, उसके लिए यह जड़ी-बूटी त्वचा पर कई तरह के रैशेज डाल सकती है। उसे सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकती है या शरीर में सूजन हो सकती है। इसलिए जड़ी-बूटी का इस्तेमाल करते समय किसी जानकार की राय लेना जरूरी है, भले वह जड़ी-बूटी आपके परिवार में पहले किसी और के द्वारा इस्तेमाल की जाती रही हो और उसे इस तरह की कोई परेशानी न हुई हो। कई जड़ी-बूटियां पाचन सुधारने, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करने और शरीर की सूजन कम करने में बहुत असरकारक मानी जाती हैं। लेकिन कई बार यही जड़ी-बूटियां किसी ऐसे व्यक्ति के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, जो पहले अंग्रेजी दवाओं का इस्तेमाल कर रहा हो, क्योंकि ये जड़ी-बूटियां अंग्रेजी दवाओं के असर को बढ़ा या घटा भी सकती हैं।

तय समय तक करें सेवन: जड़ी-बूटी को लेकर आमतौर पर उनके दीर्घकालिक उपयोग की धारणा बनी हुई है। लगभग हर आदमी यह समझता है कि जड़ी-बूटियों को लंबे समय तक उपयोग किया जा सकता है, क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। पर यह बात सही नहीं है। विशेषकर गर्भावस्था और स्तनपान करा रही महिलाएं अगर इस तरह के भ्रम का शिकार हों और वे लंबे समय से ली जा रही जड़ी-बूटियों को इन विशेष स्थितियों में भी लगातार लेती रहें, तो इनसे परेशानी पैदा हो सकती है। *

खबर संक्षेप

मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल मामलों के लिए प्री लोक अदालत 6 मार्च को

नारनौल। राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से 13 मार्च को सुबह 10 बजे सभी प्रकार के मामलों के निपटारों के लिए कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व छह मार्च को दोपहर 1:30 बजे मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल मामलों के निपटारे के लिए प्री लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने यह जानकारी दी। बताया कि 13 मार्च को न्यायिक परिसर में संबंधित मामलों की सुनवाई अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवर पाल सिंह व अधिवक्ता हेमंत यादव की बैंच द्वारा की जाएगी।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा त्वरित समाधान

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के लिए एक बड़ी प्रशासनिक सुविधा जुड़ गई है। अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जैलदार ने बताया कि हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के निरंतर प्रयासों से अब बिजली विभाग का एक्सईएन नियमित रूप से अटेली में बैठेगा। इस निर्णय से क्षेत्र के हजारों बिजली उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और लंबित शिकायतों के समाधान में तेजी आएगी। अब तक एक्सईएन स्तर के कार्यों के लिए उपभोक्ताओं और कर्मचारियों को अन्य स्थानों के चक्कर लगाने पड़ते थे। जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती थी। चेयरमैन दिनेश जैलदार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव लगातार अटेली क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य कर रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, सड़कों के निर्माण व मरम्मत, शिक्षा संस्थानों के सुदृढ़ीकरण और पेयजल व्यवस्था में सुधार जैसे अनेक कार्य उनके नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

अग्रसेन चितवन वाटिका का नाम बदलने पर जताया रोष

- अग्रसेन चितवन वाटिका की बजाय नाम सिर्फ चितवन वाटिका किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अग्रवाल वैश्य समाज ने नगर परिषद की ओर से अग्रसेन चितवन वाटिका का नाम बदलकर केवल चितवन वाटिका किए जाने पर गहरा रोष व्यक्त किया है। अग्रवाल वैश्य समाज ने इस निर्णय को सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे तत्काल प्रभाव से वापस अग्रसेन चितवन वाटिका लिखने की मांग की। इस संबंध में अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला के नेतृत्व में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से नारनौल विधानसभा के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जिला महासचिव जगमोहन गर्ग, जिला उपाध्यक्ष तुलसी गोयल, जिला कोषाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, जिला पदाधिकारी संजय मित्तल, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, सुभाष चौधरी, प्रदीप संघी आदि शामल थे।

नारनौल। डीसी कैप्टन मनोज कुमार को ज्ञापन सौंपते समाज के लोग।

इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने कहा कि यह वाटिका वर्ष 1998 में नगर परिषद की ओर से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने विकसित की गई थी और इसका नाम अग्रसेन चितवन वाटिका रखा गया था। यह नाम केवल एक पार्क का नाम नहीं, बल्कि समाज की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक पहचान व महाराजा अग्रसेन के आदर्शों का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन न केवल अग्रवाल समाज के पूर्वज हैं, बल्कि वे सामाजिक समानता, अहिंसा, भाईचारे और सहयोग की भावना के प्रतीक रहे हैं। उनके द्वारा दिए गए सिद्धांत आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। ऐसे महापुरुष के नाम को सार्वजनिक स्थल से हटाना समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की स्थापना इस वाटिका में की गई थी। यह प्रतिमा आज भी वहां स्थापित है तथा इस पर लगे शिलालेख पर भी अग्रसेन चितवन वाटिका का नामकरण लिखा हुआ है।

सामाजिक भावनाओं की उपेक्षा की : समाज

अग्रवाल वैश्य समाज का कहना है कि हाल ही में नगर परिषद की ओर से पार्क के बाहर लगाए गए नए साइन बोर्ड से अग्रसेन शब्द हटा दिया गया। जिससे समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। समाज का मानना है कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि अग्रवाल समाज की अनदेखी व सामाजिक भावनाओं की उपेक्षा है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद के रिकॉर्ड में भी इस पार्क का नाम अग्रसेन चितवन वाटिका दर्ज है। यदि बिना किसी ठोस कारण के नाम लिखा गया है, तो यह प्रशासनिक प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करता है। समाज ने मांग की है कि नगर परिषद इस नाम को पुनः दुरुस्त कर चितवन वाटिका की जगह अग्रसेन चितवन वाटिका लिखा जाए।

समाज आंदोलन करने के लिए होगा बाध्य

अग्रवाल वैश्य समाज ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही इस विषय पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो अग्रवाल वैश्य समाज लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री व शहरी निकाय मंत्री के संज्ञान में भी लाया जाएगा। संदीप नूनीवाला ने बताया कि उपायुक्त से आग्रह किया गया है कि इस मामले में हस्तक्षेप कर नगर परिषद को निर्देश दिए जाएं, ताकि अग्रसेन चितवन वाटिका का नाम पुनः लिखा जा सके और समाज की भावनाओं का सम्मान किया जा सके। उपायुक्त ने अग्रवाल वैश्य समाज के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

एआईकेकेएम ने लघु सचिवालय में किया प्रदर्शन, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बुढ़ापा पेंशन से शर्तें हटाने व छात्रों का बस पास लागू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने बुढ़ापा पेंशन पर सभी तरह की शर्तें हटाने, प्राइवेट बसों में बुजुर्गों का आधा किराया व विद्यार्थियों का बस पास लागू करने की मांग को लेकर बुधवार को लघु सचिवालय में प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सुप्रिडेंट को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। संगठन के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह ने कहा कि सरकार का कहना है कि नियम के अनुसार परिवार पहचान पत्र में सभी स्त्रोतों से तीन लाख रुपये सालाना आमदनी वाले बुजुर्ग नागरिक बुढ़ापा पेंशन के पात्र नहीं है। इस नियम के लागू रहने से प्रदेश के लाखों बुजुर्ग बुढ़ापा पेंशन से वंचित हो जाएंगे, जबकि यह बुढ़ापा पेंशन सम्मान भत्ता है। इस पर कोई भी शर्त लागू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इन को कानून बनाकर पूरी तरह से खत्म करें। दूसरी तरफ किसानों ने मंडी में रबी व खरीफ की फसल बेची तो खाते में जो पैसा आता है, वह भी आमदनी में जोड़ दिया है। पहले ही ज्यादातर किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा होती जा रही है, लेकिन सरकार ने यह भी नहीं देखा कि बिक्री की रकम से लागत खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है। इसे पारिवारिक आमदनी में जोड़ना किसानों के साथ घोर अन्याय है। अन्नदाता किसान और मजदूर जो सभ्यता का निर्माता है, पूरी जिंदगी समाज के निर्माण और उत्पादन में खपा देता है, तो उसे बुढ़ापे में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना सरकार का दायित्व बनता है। बुढ़ापा पेंशन पर कोई भी शर्त पूरी तरह से सामाजिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। संगठन सरकार से मांग करता है कि बुढ़ापा पेंशन, पेंशन न होकर यह एक सम्मान भत्ता है। सरकार ने आंदोलन के दबाव में रुकी हुई पेंशन तो जारी कर दी है। सरकार बकाया पेंशन को जल्दी डालने का काम करें, लेकिन अगर ये शर्तें बरकरार रही, तो सरकार कभी भी इनको लागू कर सकती है। अतः शर्तों को हटाना बहुत जरूरी है। इस प्रदर्शन में कामरेड अभय सिंह, डॉ. व्रतपाल सिंह, यादराम कोरियावास, रामकुमार, छाजूराम रावत आदि शामिल रहे।

नारनौल। मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

सांसद व विधायक ले रहे कई पेंशन

पूर्व जिलाध्यक्ष कामरेड अभय सिंह ने कहा कि सांसद व विधायक कई कई पेंशन ले रहे हैं और आए दिन अपने वेतन भते बढ़ा लेते हैं। इनके ऊपर आमदनी का कोई नियम लागू नहीं है। उन्होंने ने कहा कि पिछले साल से सरकार व प्राइवेट बस मालिकों की मिलीभगत से बुजुर्गों का आधा किराया व विद्यार्थियों का बस पास बंद कर रखा है। यह उनके साथ घोर अन्याय है। इसे दोबारा से सरकार चालू करवाएं। प्राइवेट बस चालक इसको लेकर उनके साथ बदसलूकी भी करते हैं। सरकार उनकी मनमानी पर रोक लगाए। प्रदर्शनकारियों ने बुढ़ापा पेंशन पर सभी तरह की शर्तें हटाने, बुढ़ापा पेंशन बढ़ाकर 5100 रुपये मासिक करने, बुढ़ापा पेंशन का बकाया पैसा जल्द जारी करने, प्राइवेट बसों में बुजुर्गों का आधा किराया लिए जाने, विद्यार्थियों के बस पास लागू करने व बुढ़ापा पेंशन पर शर्त हटाने का कानून बनाए जाने की मांग की।

महेंद्रगढ़। स्वयंसेवकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

अनुशासन और सेवा भावना के लिए छात्रों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- यदुवंशी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से नांगल सिरोही में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

यदुवंशी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से गांव नांगल सिरोही में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ कॉलेज अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को समाज की वास्तविक परिस्थितियों को समझते हुए सेवा कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि एनएसएस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज सेवा की भावना को विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, डॉक्टर प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने बताया कि शिविर में प्रथम दिवस से ही स्वयंसेवकों ने गांव में स्वच्छता अभियान चलाया, स्वयंसेवकों ने सार्वजनिक स्थान, मंदिर परिसर व मुख्य मार्गों की सफाई की। नांगल सिरोही के सरपंच गोकलचंद के साथ ग्रामीणों ने भी इस अभियान में योगदान दिया।

यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई मेन परीक्षा में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के विद्यार्थियों ने जेईई मैन परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। यदुवंशी के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक एवं उच्च परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के 99 विद्यार्थियों ने जेईई-एडवांस के लिए यह परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिनमें वेदांग खत्री 99.90, लव चाहर 99.87, आरूश बिंदल 99.68, जीवन 99.49, भारती यादव 99.29, पंकज कुमार 99.13, ज्योति प्रकाश 98.86, अविक 98.85, नितेश कुमार 98.70, रिया 98.65, श्वेत 98.51, विनीत 97.9, तस्वीन 97.56, तक्षीत 97.52, कवीश 97.38, आर्यन 97.21, हर्ष 97.07, प्रियांशु 96.95, कल्पना 96.72, प्रिंस 96.7, जतिन कौशिक 96.58, आर्यन राव 96.49, मेहर कोर 95.07, खुशी यादव 95.04, सूरज 94.95, चिराग 94.4, मुस्कान 93.71, पियुश 93.48, हर्ष 93.41, शुभम सैनी 93.41, मोनिका 93.41, देवेन्द्र 92.67, नितिन 92.46, जनित 92.27, अनुष्का राजपुत 92.25, नर्मदा 92.13, पंकज 91.97, दिपेश 91.71, नताशा 91.63, उत्कर्ष यादव 91.5, मानव 91.28, हिमांशु 91.19, सौरव 90.54 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अतिरिक्त प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में हिमांशु, प्रीति, कीर्ति, निखिल, मोहित दहिया, रोहित, दिव्या, भव्य गर्ग, धैर्य, दीपेंद्र, विनीत कुमार, विशाल, हिमांशु, सागर शर्मा, अनुज यादव, ईशिका, श्रुति यादव, रितिक, रोहित, प्रतीक, विनीत, उदय भान, पूर्वा, साक्षी आदि बहुत से विद्यार्थियों ने इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को उत्तीर्ण किया है। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई मेन जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की। वाइस चेयरमैन एवं एडवोकेट करण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

आईजीयू के परिणाम में आरपीएस छाया

बीएससी ऑनर्स 5वें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से घोषित बीएससी ऑनर्स पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में आरपीएस डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन रहा। विज्ञान संकाय के अंतर्गत जूलॉजी, फिजिक्स और केमिस्ट्री विषय में कॉलेज के छात्रों ने विश्वविद्यालय की टॉप–10 सूची में कब्जा जमाया। जूलॉजी ऑनर्स मोहित यूनिवर्सिटी टॉपर रहा, आरपीएस के सात छात्र टॉप 10 सूची में रहे। इसके अलावा बीएससी जूलॉजी ऑनर्स पांचवें सेमेस्टर में कॉलेज का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। छात्र मोहित कुमार ने 486 अंक प्राप्त कर प्रथम, ने 481 अंक तीस, निशु ने 479 अंक लेकर चौथा, दीपिका यादव ने 476 अंक लेकर पांचवां, अंशु ने 475 अंक लेकर सातवां, निधि यादव ने 470 अंक लेकर नौवां व शाहिना ने 470 अंक लेकर 10वां स्थान प्राप्त किया। फिजिक्स ऑनर्स में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रा ममता ने 413 अंक लेकर प्रथम, पूजा ने 410 अंक लेकर दूसरा, ज्योति कुमारी ने 406 अंक लेकर तीसरा, रितिका ने 379 अंक लेकर चौथा, अंशु ने 375 अंक लेकर पांचवां, आर्यन ने 364 अंक लेकर छठा, आस्था ने 322 अंक लेकर नौवां प्रिया ने 309 अंक लेकर 10वां स्थान प्राप्त किया। केमिस्ट्री ऑनर्स में ज्योति कुमारी ने 417 अंक लेकर प्रथम, प्रिया यादव ने 401 अंक लेकर दूसरा, रश्मि ने 395 अंक लेकर तीसरा, नेहा ने 393 अंक लेकर चौथा ममता ने 392 अंक लेकर पांचवां, महक यादव ने 389 अंक लेकर छठा, पूजा ने 380 अंक लेकर आठवां व कोमल ने 377 अंक लेकर 10वां स्थान प्राप्त किया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव ने कहा कि विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से कोई भी मुकाम पाया जा सकता है। प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह कादियान ने कहा कि विश्वविद्यालय की टॉप 10 सूची में हमारे छात्रों का इस तरह एकतरफा दबदबा कायम करना उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण है। निदेशक डॉ. महेश यादव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव और अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मनीष गोयल को बनाया वैश्य समाज का विस उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने अग्रवाल वैश्य समाज के प्रति रुचि को देखते हुए मनीष गोयल को रेवाड़ी विधानसभा उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। मनीष गोयल ने अग्रवाल वैश्य समाज प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, प्रदेश महिला अध्यक्ष सुशीला सर्राफ, रेवाड़ी जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल का आभार जताया है। उन्होंने वैश्य समाज को आगे बढाने, वैश्य समाज की एकजुटता के लिए कार्य करने, वैश्य समाज के लोगों को संगठित करने और अग्रवाल वैश्य समाज से लोगों को जोड़ने का आश्वासन दिया है।

मनीष गोयल।

नवीन सिंघल ने बताया की 7 मार्च को अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक दिल्ली श्रीधाम रुक्मणी विहार, रथ वाला गेट, छटीकरा रोड वृंदावन में होगी जिसमें द्विवार्षिक प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री के चुनाव संपन्न होंगे। मनीष गोयल की इस नियुक्ति पर अग्रवाल वैश्य समाज प्रदेश युवा प्रवक्ता एडवोकेट नीतेश अग्रवाल, विधानसभा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, रेवाड़ी विधानसभा महिला अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल, विधानसभा महिला कार्यकारी उपाध्यक्ष दीपिका अग्रवाल, विधानसभा महिला उपाध्यक्ष एडवोकेट रेखा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने खुशी जाहिर की है।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विशेष जल संरक्षण अभियान जारी

31 मार्च से पहले बकाया बिलों का भुगतान कर विभागीय कार्रवाई से बचें

घर घर जाकर बकाया पेयजल और सीवर बिलों के भुगतान को लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की टीम जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में घर घर जाकर उपभोक्ताओं से बकाया पेयजल और सीवर बिलों का भुगतान करवाने में लगी हुई है। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने जानकारी देते हुए बताया कि जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा के निर्देशानुसार विशेष जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों के साथ साथ शहरों और गांवों में टीमों का गठन कर उपभोक्ताओं को उनके बकाया बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जनवरी से चल रहा अभियान उन्होंने बताया कि जनवरी से चल रहे इस अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 2883 घरों और शहरी क्षेत्रों में 2211 उपभोक्ताओं तक टीमें पहुंच चुकी हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में 168 नेचुरल लीडर तैयार किए गए हैं। कुल 21 ग्राम पंचायतों में से 18 ग्राम पंचायतों में ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों की बैठकें आयोजित की गई हैं और 17 स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 454 उपभोक्ताओं ने अपने बकाया बिल जमा कर 205150 रुपये का राजस्व योगदान दिया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 2ए211 उपभोक्ताओं से 1419506 रुपये की राशि एकत्रित की जा चुकी है। ग्रामीण और शहरी उपभोक्ताओं से अपील है कि वे अपने बकाया पेयजल और सीवर बिलों का भुगतान 31 मार्च से पहले कर दें। मुख्यालय के निर्देशानुसार 31 मार्च के बाद आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

नारनौल। अटेली ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के बकाया बिलों का भुगतान कराने पहुंची विभागीय टीम।

समिति के लिए अलग बैंक खाता

कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र हुड्डा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक ग्राम पंचायत में बने ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को पेयजल व्यवस्था के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके लिए प्रत्येक समिति का अलग बैंक खाता होगा। मुख्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसारए सभी ग्राम पंचायतों को अपने नजदीकी इंडियन बैंक शाखा में यह खाता खुलवाना होगा। इसके लिए विभाग की ओर से पत्र भी जारी किया जा चुका है। सभी ग्राम सचिव व ग्राम सरपंच 28 फरवरी तक अपने ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के खाते खुलवा लें, ताकि पेयजल व्यवस्था के संचालन और रखरखाव से संबंधित फंड का लेन देन उसी खाते से किया जा सके।

इंडस वैली स्कूल का जेईई मेंस का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

हिमांशु रामचंदपुरा ने 98 परसेंटाइल प्राप्त कर चमकाया नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आईआईटी जेईई मेन के घोषित परिणाम में इंडस वैली पब्लिक स्कूल दौंगड़ा अहीर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। विद्यालय के मेधावी छात्रों ने उत्कृष्ट पर्सेंटाइल हासिल कर सफलता का परचम लहराया। प्राचार्य जयवीर सिंह यादव ने बताया कि जेईई मेन में विद्यालय के 25 विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हिमांशु रामचंदपुरा 98, दीपिका खत्रीपुर 97, सोवित दौंगड़ा अहीर 97, अंकित अटाली 95, हिमांशु देवास, निधि अटाली की ढाणी 89, मयंक मुंडिया खेड़ा 87, कृष्ण धनौंदा 86, सलोनी बेगपुर 86, प्रिंस बेगपुर 86 पर्सेंटाइल ने बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय और अपने गांव का गौरव बढ़ाया। नविता दौंगड़ा अहीर, पूजा मुंडिया खेड़ा, दिव्या कलवाड़ी, योगेश गुवानी, अक्षय अटाली, धीरज रामचंदपुरा, संजय गुजरवास, पलक बींजपुर, दीपिका कलवाड़ी, जायद दौंगड़ा अहीर व विशेष राव मुंडिया खेड़ा आदि विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर सफलता की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। चेयरमैन धर्मेंद्र यादव ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। इस अवसर पर संस्था उपचेयरमैन विजय सिंह यादव, निदेशक केसी यादव, उपप्राचार्य वीर सिंह यादव सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने पर खुशी जाहिर करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

उपलब्धि हासिल करने पर हीना को किया सम्मानित

कोसली। कोहारड़ गांव निवासी व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा भीमराव अंबेडकर कालेज की छात्रा तथा एनसीसी की सीनियर अंडर आफिसर हीना पुत्री देवेंद्र सिंह को कालेज में आयोजित वार्षिक उत्सव में विशेष उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

कोहारड़ गांव की छात्रा हीना।

कार्यक्रम में उन्हें एनसीसी कैडेट के तौर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जीवन सुरक्षा योजना के तहत वितरित किए चेक

कोसली। मार्केट कमेटी में बुधवार को मुख्यमंत्री किसान एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। मार्केट कमेटी चैयरमैन महेश यादव ने दो लाभार्थियों शर्मिला पत्नी रविंद्र निवासी गांव सेहलंगा को पांच लाख रुपये तथा कुंजैया निवासी जयपाल पुत्र भोंडिया को 187500 रुपये की सहायता राशि का चेक सौपा। मार्केट कमेटी सचिव विकास, नीलामी अभिलेखक राजेश, लेखाकार नरोतम मौजूद रहे।

डॉ. गोयल बने सोसायटी के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष

रेवाड़ी। मधुमेह के क्षेत्र में रिसर्च करने वाली एशिया की सबसे बड़ी व प्रतिष्ठित संस्था रिसर्च सोसायटी फॉर स्टडी आफ डायबिटीज इन इंडिया द्वारा हाल ही में सम्पन्न हुए चुनाव में शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पवन कुमार गोयल को हरियाणा इकाई का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है।

डा. पवन गोयल

यह सम्मान चिकित्सा पेशे के प्रति उनके समर्पण, प्रतिबद्धता तथा हरियाणा के चिकित्सा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और लोकप्रियता का प्रतीक है।

खेल प्रतियोगिताओं से महिलाओं में आता है आत्मविश्वास : मीणा

■ जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी इसी उद्देश्य से किया जाता है कि उनमें आत्मविश्वास की भावना और प्रबल हो तथा वे स्वावलंबी बनें। डीसी अभिषेक मीणा बुधवार को पुलिस लाइन परिसर में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना तथा खेल गतिविधियों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ये खेल प्रतियोगिताएं महिलाओं में आत्मविश्वास व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देती हैं। खेल स्पर्धाएं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत करते हैं। घर से बाहर निकल कर रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने से महिलाएं अपनी स्वतंत्रता का अनुभव कर सकती है, जिससे संतुलित समाज का निर्माण होता है।

रेवाड़ी। हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते डीसी व दौड़ लगाते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

कौशल को पहचानने का माध्यम

जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हर वर्ष खंड स्तर एवं जिला स्तर पर दो आयु वर्गों में इन खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिससे महिलाएं घर की सीमाओं से बाहर निकलकर अपने कौशल को पहचान सकें। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाता है। इससे पहले जिला के 6 खंडों में ये प्रतियोगिताएं करवाई गई थीं।

डिस्कस थ्रो में समित्रा रही अव्वल

तीस वर्ष से अधिक आयु वर्ग की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में सुमित्रा प्रथम, सरोज देवी द्वितीय व कुमारी कमलेश तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में अनिता ने पहला, गीता ने दूसरा व मीना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सौ मीटर दौड़ स्पर्धा में अनोखी सबसे आगे रही, दूसरा स्थान मंजू व तीसरा स्थान आशा ने प्राप्त किया। 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 300 मीटर रेस स्पर्धा में अंतिम प्रथम, रेखा द्वितीय व नेहा तृतीय स्थान पर रही।

चार सौ मीटर दौड़ में सोनिल प्रथम

चार सौ मीटर दौड़ में सोनिल ने पहला, प्रवीन ने दूसरा और आरती ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी वर्ग की साइकिल रेस में सरिता ने सबसे आगे रहकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस रेस में अनीता ने दूसरा और पूनम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। डीसी अभिषेक मीणा ने विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इन खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

उन्होंने टेबल टेनिस की नेशनल प्लेयर वैभवी, बॉक्सिंग खिलाड़ी ज्योति, आरती, शर्मिला, पूजा, पलछिन तथा पैरा एथलीट प्रमिला, सरला देवी व तमन्ना शर्मा को भी सम्मानित किया। तलवारबाजी की खिलाड़ी तेजस्विनी, वासु शर्मा, अंशिका राणा, प्रियंका यादव, निपूर्णा राव व नव्या यादव को भी पुरस्कृत किया गया। डीसी ने फुटबाल खिलाड़ी नैना, शिवानी, लक्ष्मी व हर्षिता को भी सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री ने जताई थी जल्द ओपीडी शुरू होने की उम्मीद

वैकेंसी की फाइल को स्वीकृति का इंतजार

मार्च में ओपीडी शुरू होने की संभावना कम

रेवाड़ी। माजरा एम्स की निर्माणाधीन बिल्डिंग व नर्सिंग कॉलेज के लिए तैयार हो रही बिल्डिंग व एम्स का निर्माणाधीन शैक्षणिक ब्लॉक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

माजरा में निर्माणाधीन एम्स में मार्च माह से ओपीडी शुरू होने की संभावनाओं पर पानी फिरता हुआ नजर आ रहा है। इसका कारण केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से नियुक्तियों की फाइल को स्वीकृति नहीं मिलना है। स्वीकृति मिलने के बाद भी ओपीडी शुरू होने में दो से तीन माह का समय लग सकता है। एम्स संघर्ष समिति की ओर से जल्द ओपीडी शुरू कराने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। लगभग 210 एकड़ में बन रहे एम्स का शिलान्यास 16 फरवरी 2024 को पीएम मोदी ने किया था। 1300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इसकी बिल्डिंग का निर्माण भी शिलान्यास के बाद ही शुरू हो गया था। बिल्डिंग निर्माण का ठेका एलएंडटी कंपनी ने लिया हुआ है। एम्स के आयुष भवन का निर्माणकार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि सुपर स्पेशियलिटी बिल्डिंग से लेकर दूसरी बिल्डिंग का कार्य भी 60 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है। नर्सिंग कॉलेज व शैक्षणिक ब्लॉक का कार्य भी काफी हद तक पूरा हो चुका है। एम्स में शुरूआत में 1500 ओपीडी प्रतिदिन का लक्ष्य रखा गया है। 8 बिल्डिंग का निर्माण अंतिम चरण में है, जबकि लगभग डेढ़ दर्जन बिल्डिंगों का निर्माण होना है। एम्स को बिजली आपूर्ति के लिए निगम की ओर पावर सब स्टेशन का निर्माण भी कराया जा चुका है।

1700 वैकेंसी के लिए भेजी थी फाइल

एम्स की ओपीडी और एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू कराने के लिए एम्स प्रशासन की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय को 1700 वैकेंसी की फाइल बीते साल के अंत में ही भेज दी गई थी। फाइल को अभी तक स्वीकृति नहीं मिली है। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की नियुक्ति के बिना ओपीडी शुरू नहीं हो सकती। जल्द फाइल को स्वीकृति मिलती है, तो भी स्टाफ की नियुक्तियों में समय लग सकता है।

राव ने दिया था ओपीडी का आश्वासन

एम्स संघर्ष समिति की ओर से बार-बार दबाव बनाए जाने के बीच केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने खुद एम्स की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया था। इसके बाद उन्होंने आश्वासन दिया था कि मार्च माह तक एम्स की ओपीडी शुरू हो जाएगी। एमबीबीएस की कक्षाएं अगस्त तक शुरू हो सकती हैं। संबंधित मंत्रालयों की ओर से वैकेंसियों की मंजूरी नहीं मिलने के कारण ओपीडी शुरू होने में अभी समय लगना स्वाभाविक है।

ओपीडी से मिल सकेंगी बेहतर सेवाएं

एम्स की ओपीडी शुरू होने के बाद न सिर्फ दक्षिणी हरियाणा, बल्कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। एम्स की बिल्डिंग चंद किलोमीटर की दूरी पर राजस्थान की सीमा शुरू हो जाती है। इससे राजस्थान के आसपास के गांवों के लोगों को अच्छा फायदा मिलेगा। इलाके के लोग ओपीडी शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जल्द स्वीकृति मिलने की संभावना

ओपीडी शुरू कराने के लिए स्टाफ की आवश्यकता पूरी करने के लिए फाइल स्वास्थ्य मंत्रालय को भेजी हुई है। इसे स्वीकृति दिलाने के लिए मैं खुद संबंधित अधिकारियों से बार-बार संपर्क कर रहा हूं। जल्द ही फाइल को स्वीकृति मिलने की संभावना है।
-डीएन शर्मा, निदेशक, माजरा एम्स।

ओपीडी जल्द शुरू करवाई जाए

एम्स की बिल्डिंग का निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। क्षेत्र के लोग ओपीडी शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार को एम्स की ओपीडी और एमबीबीएस की कक्षाएं जल्द शुरू करानी चाहिए। -जगदीश यादव, प्रधान, एम्स निर्माण समिति।

खोरी। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के बच्चे। फोटो : हरिभूमि

ओलंपियाड प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाए जौहर

खोरी। मायण गांव के ब्राइट फ्यूचर स्कूल में बुधवार को ओलंपियाड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के छोटे बच्चों ने भी प्रतिभा के जौहर दिखाए। स्कूल संचालिका डा. प्रवीन ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों व शिक्षा के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाना है। प्रतियोगिता में एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने भी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओ को आगे बढ़ाना ही स्कूल का एकमात्र लक्ष्य है। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। हाल ही में स्कूल मे अभिभावकों के लिए आत्मदर्शन पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें आध्यात्मिक विकास व संकल्प से सिद्धि पर फोकस किया गया।

खोरी। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के बच्चे। फोटो : हरिभूमि

एकाग्रता से ही खुलता है सफलता का रास्ता : दिनेश कपूर

रेवाड़ी। वीर भगतसिंह युवा दल के तत्वाधान में परीक्षा के दिनों में शांत-संतुलित रहते हुए सफलता प्राप्त करने का कार्यक्रम 'फोकस' का आयोजन राजकीय प्राथमिक पाठशाला निकट पुरानी तहसील पर किया गया। कार्यकम में युवा दल के प्रधान दिनेश कपूर ने कहा कि विद्यार्थी हो चाहे खिलाड़ी, जिसकी जितनी अधिक एकाग्रता होगी, उतनी बड़ी सफलता उसे प्राप्त होगी। गुरु द्रोणाचार्य ने अपने सभी शिष्यों को इकट्ठा कर उनकी परीक्षा लेनी चाही। उसमें लक्ष्य पेड़ पर रखी एक चिड़िया की आंख का था। गुरुजी ने अपने शिष्यों का इकट्ठा कर उनसे पूछा आपको सामने क्या दिखाई दे रहा है। किसी ने बताया मुझे पेड़ दिखाई दे रहा है- किसी ने बताया सामने आकाश दिखाई दे रहा है। किसी ने कहा मुझे चिड़िया दिखाई दे रही है।

घर-घर जाकर टीम ने किया लोगों को नशे के प्रति जागरूक

रेवाड़ी। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गठित नशा मुक्ति टीम ने डोर-टू-डोर अभियान के तहत बुधवार को नाहड व गुजरवास में सर्वे कर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य हो। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। इसके साथ ही नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया।

एसी वर्ग के 13 किसानों का अनुदान के लिए चयन

रेवाड़ी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा सबी-89 स्कीम 2025-26 के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को ट्रैक्टर पर अनुदान उपलब्ध करवाने के लिए ऑनलाइन आमंत्रित किए गए आवेदनों का ड्रा के माध्यम से चयन किया गया। डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में किसानों की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यकारिणी कमेटी द्वारा बुधवार को लघु सचिवालय सभागार में ऑनलाइन ड्रा निकाला गया। जिसमें 182 ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसानों में से 13 किसानों का चयन किया गया। चयनित किसानों को 45 या इससे अधिक होर्स पॉवर पर तीन लाख रुपए का अनुदान उपलब्ध करवाया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सभी चयनित किसान 23 फरवरी तक अपने दस्तावेज सहायक कृषि अभियंता रेवाड़ी कार्यालय में जमा करवाएं।

उपायुक्त अभिषेक मीणा ने सुनीं किसानों की बात

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि जिला प्रशासन किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने आज लघु सचिवालय सभागार में भारतीय किसान यूनियन के किसानों के साथ बैठक की, जिसमें विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से विचार-विमर्श किया गया। भाकियू के जिला प्रधान समय सिंह ने अपने संगठन की ओर से किसानों का बकाया मुआवजा दिलवाने, सरसों खरीद के समय सरकारी लैब से इसकी जांच करवाए जाने आदि मांगें रखी। डीसी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को कहा कि रेवाड़ी जिला में कृषि विभाग की सरकारी लैब में सरसों की जांच करवाई जाए, जिससे कि प्राइवेट लैब के किसानों को चक्कर न लगाना पड़े। भावांतर भरपाई योजना के तहत बाजरा की वर्ष 2024 के दौरान हुई खरीद की बकाया राशि का बजट आना बाकी है।

मांगों को लेकर सीपीएलओ ने सौंपा सीएम के नाम का ज्ञापन

रेवाड़ी। लाडो लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना तथा पंचायत डाटा वेरिफिकेशन का कार्य करने वाले सीपीएलओ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पीपीपी कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम का ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने बताया कि वे लंबे समय से सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि लाडो लक्ष्मी योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं में पात्र लाभार्थियों का चयन, डाटा एंट्री, सत्यापन, रिपोर्ट तैयार करना और पंचायत स्तर पर डाटा वेरिफिकेशन जैसी जिम्मेदारियां सीपीएलओ कर्मचारियों द्वारा निभाई जा रही हैं।

मृतक कर्मचारी की आश्रित को दिया सहायता राशि का चेक

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने बुधवार को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक मृतक कर्मचारी सुरेश कुमार की धर्मपत्नी को एक्सिस बैंक की ओर से 28 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। स्व. सुरेश कुमार जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत सीवरमैन के पद पर था। जिसकी आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। डीसी अभिषेक मीणा ने एक्सिस बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में सुरेश कुमार की पत्नी मोनिका देवी को सहायता राशि का चेक भेंट किया। कर्मचारी की पत्नी मोनिका देवी को 20 लाख रुपए तथा उसके दो बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए चार-चार लाख रुपये का चेक दिया गया।

पैदल गश्त से लोगों में विश्वास जमा रही पुलिस पब्लिक से सीधा संवाद करने में जुटे थाना प्रभारी

रेवाड़ी। आमजन में विश्वास बढ़ाने और लोगों को सुरक्षित माहौल का भरोसा दिलाने के लिए आजकल थाना प्रभारी पैदल गश्त करते हुए उनके बीच जा रहे हैं। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर पैदल सड़कों पर निकल रहे थाना प्रभारी न सिर्फ लोगों की समस्याओं को साझा करते नजर आ रहे हैं, बल्कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षित माहौल मुहैया कराने का आश्वासन भी दे रहे हैं। मंगलवार देर शाम भी गश्त के दौरान थाना प्रभारियों के साथ स्थानीय व्यक्ति व पुलिस के जवान भी उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों, व्यापारियों और युवाओं से सीधा संवाद किया और पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उनके सुझाव भी आमंत्रित किए। उन्होने ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। पुलिस जनता की मित्र है और हमारा निरंतर प्रयास है कि अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ आमजन का पुलिस पर विश्वास भी सुदृढ़ हो। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं को नशे से दूर रहने और शिक्षा एवं खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेशाध्यक्ष की कार्यशैली का पैमाना साबित होंगे चुनाव, नप चुनाव में इस बार सीधी टक्कर के रहेंगे आसार

निकाय चुनावों को हल्के में नहीं लेगी कांग्रेस

राव नरेंद्र के लिए कसोटी साबित होंगे चुनाव

असफलता की स्थिति सीधे तौर पर प्रदेश नेतृत्व की क्षमता पर उंगली उठाने वाली साबित होगी

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

राव नरेंद्र सिंह

संगठन के बिना वर्ष 2020 के नगर परिषद के चुनाव में मुंह की खाते हुए तीसरे नंबर पर रह चुकी कांग्रेस इस बार चुनाव को हल्के में नहीं लेगी। इस बार जिले के साथ प्रदेश के मुखिया की मौजूदगी इन चुनावों में भाजपा को सीधी चुनौती देने में मददगार साबित होगी। यह चुनाव प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह से लेकर जिलाध्यक्षों तक के लिए कसोटी साबित होंगे। असफलता की स्थिति सीधे तौर पर प्रदेश नेतृत्व की क्षमता पर उंगली उठाने वाली साबित होगी। सफलता की सूरत में बार-बार हार का सामना कर चुकी कांग्रेस को 'संजीवनी' मिलेगी, जो पार्टी के लिए आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करने में भी सहायक साबित होगी। राव नरेंद्र सिंह की अगुवाई में पहली बार निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। भले ही कांग्रेस में गुटबाजी नहीं होने के दावे किए जा रहे हों, परंतु हकीकत यही है कि अभी तक कांग्रेस की गुटबाजी बरकरार है। राव नरेंद्र सिंह सभी को साथ लेकर चलने की नीति पर कार्य कर रहे हैं। वह पार्टी में विरोध करने वाले नेताओं को भी मनाकर साथ चलने के लिए तैयार कर रहे हैं। संगठन को मजबूत करने पर ही उनका पूरा फोकस है, ताकि वह दमदार प्रदेशाध्यक्ष के रूप में अपनी पहचान कायम करने में कामयाब हों। पिछले निकाय चुनावों में संगठन का मुखिया नहीं होने के कारण पार्टी ने क्षेत्रीय नेताओं की अनुशंसा पर ही चेयरमैन पद के लिए टिकट थमाने का काम किया था।

नगर परिषद कार्यालय का फाइल फोटो।

तीसरे पायदान पर रही थीं कांग्रेस प्रत्याशी

नगर परिषद के पिछले चुनाव में कांग्रेस ने टिकट की कमान पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव के हाथों में सौंपी थी। कैप्टन ने शहर में मजबूत पकड़ रखने वाले आम कार्यकर्ता को टिकट दिलाने की बजाय अपने ही परिवार से विक्रम यादव को टिकट दिलवाई थी। इसका परिणाम यह हुआ कि कैप्टन के साथ लंबे समय से जुड़े कार्यकर्ता ही नाराज हो गए थे। इन कार्यकर्ताओं की नाराजगी ने कांग्रेस प्रत्याशी को तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया था।

कांग्रेस टिकट के लिए नहीं लंबी फेहरिस्त

नगर परिषद चेयरमैन का पद इस बार एससी महिला के लिए आरक्षित है। पार्टी में शहरी स्तर पर टिकट के दावेदारों की संख्या कम देखने को मिल रही है। शहरी प्रधान खुद अपनी पत्नी को चुनाव लड़वाने की तैयारी में हैं, तो जिला उपाध्यक्ष रेखा दहिया भी टिकट की उम्मीद के साथ शहर में जनसंपर्क अभियान को गति देने में लगी हुई हैं। आम आदमी पार्टी को अलविदा कहने के बाद रेखा दहिया ने कांग्रेस के लिए पिछले चुनावों में कड़ी मेहनत की थी, जिसका इनाम उन्हें टिकट के रूप में मिल सकता है।